



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 301]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 3, 1992/आषाढ़ 12, 1914

No. 301]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 3, 1992/ASADHA 12, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1992

सं. 242/92-सीमाशुल्क

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 1992

NO. 242/92-CUSTOMS

सा.का.नि. 664 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 219/89-सीमाशुल्क, तारीख 1 अगस्त, 1989 में, निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में, शर्त (क) में, “1000 रुपए” शब्द और शब्द स्थान पर “10,000 रुपए” शब्द और शब्द रद्द जाएँगे।

[का.सं. 346/50/92-टीआरयू]

राजीव शर्मा, अवतर सचिव

G.S.R. 664(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 219/89-Customs, dated the 1st August, 1989, namely :—

In the said notification, in condition (a), for the letters and figures “Rs. 1000”, the letters and figures “Rs. 10,000” shall be substituted.

[F. No. 346/50/92-TRU]

RAJIV SHARMA, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1992

नं. 243/92-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 665 (अ) — केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि निम्नलिखित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 47 के अन्तर्गत आने वाली रेयान ग्रेड लकड़ी को नुगदी को छोड़कर किसी रेयोजर वनस्पति सामग्री से यांत्रिक या रासायनिक साधनों द्वारा प्राप्त लकड़ी को नुगदी को, जब उसका अख्तियारी कागज के विनिर्माण में उपयोग के लिए भारत में आयात किया जाए,—

- (i) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट समस्त सीमाशुल्क से और
- (ii) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधिनियम में पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त शुल्क से

छूट देती है :

परन्तु यह तब जबकि आयातकर्ता इस आदेश का एक बचनबद्ध प्रस्तुत करता है—

- (क) उक्त आयातित माल का उपयोग प्रत्येक विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में प्राप्त और खपत हुए उक्त आयातित माल का निम्न सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जाएगा
- (ग) वह तीन मास की अवधि या बड़ाई गई ऐसी अवधि के आंतर जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अज्ञात करे विनिर्माण के स्थान की परिस्थिति में उक्त आयातित माल का प्रयोग के साधनस्वरूप विनिर्माण द्वारा सम्पूर्ण कागज प्रयोजित होने के लिए वांछित करने और उसमें अख्तियारी कागज के उत्पादन और समाचारपत्र ग्राहकों की उनकी निकासी के व्ययों का भी उल्लेख करेगा ; और
- (घ) वह, पूर्वोक्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दिशा में, मांग किए जाने पर ऐसी रकम का भुगतान करेगा जो यदि इसमें अन्तर्गृहीत छूट न होती तो उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो ।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए,

- (i) "अख्तियारी कागज" से समाचारपत्रों, लेखा-बहियों और निराला कालिक पत्रिकाओं के मुद्रण के लिए आशयित कागज अभिप्रेत है ;
- (ii) "समाचारपत्र-स्थान" से प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रार अधिनियम, 1867 (1867 का 25) की धारा 19क के अधीन नियुक्त भारत के समाचारपत्र रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रीकृत स्थान अभिप्रेत है ।

[फा.स. 354/11/92-टीआरयू]
राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 1992

NO. 243/92-CUSTOMS

G.S.R. 665(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts wood pulp derived by mechanical or chemical means from any fibrous vegetable material, except rayon grade wood pulp, and falling within Chapter 47 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for use in the manufacture of newsprint, from —

- (i) the whole of the duty of customs which is specified in the said Schedule to the Customs Tariff Act; and
- (ii) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act ;

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that —

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture and also indicating therein the details of production of newsprint and its clearance to newspaper establishments within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation

Explanation: For the purpose of this notification,—

- (i) "newsprint" means paper intended for printing of newspapers, books and periodicals;
- (ii) "newsprint establishment" means establishments registered with Registrar of Newspaper for India appointed under section 19A of the Press and Registration of Books Act, 1867 (25 of 1867).

[F. No. 354/11/92-TRU]
RAJIV SHARMA, Under Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1992

सं. 244/92-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 666(प्र):—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1992 (1992 का 18) की धारा 111 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 190/92-सीमाशुल्क, तारीख 14 मई, 1992 में निम्नलिखित और संशोधन करने हैं, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना से उपाध्व अनुसूची में, कम सं. 308 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम में और प्रविष्टियाँ अंतर्भावित की जाएगी, अर्थात् :-

“309 सं. 243-सीमाशुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1992”।

[फा.सं. 354/11/92-टीआरयू]
राजीव शर्मा, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd July, 1992

NO. 244/92-CUSTOMS

G.S.R. 666(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 111 of the Finance Act, 1992 (18 of 1992), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 190/92-Customs, dated the 14th May, 1992, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification, after S. No. 308 and the entry relating thereto, the following S. No. and entries shall be added namely :—

“309, No. 243-Customs, dated the 3rd July, 1992”.

[F. No. 354/11/92-TRU]
RAJIV SHARMA, Under Secy.

